Adda247 GET IT ON Google Play

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

वाणिज्य (07)

खण्ड– अ

एकाउन्ट्स : वित्तीय लेखांकन – दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्त, समायोजन प्रविष्टियों के साथ अन्तिम लेखे तैयार करना, साझेदारी खाते, कम्पनी लेखे, अंशो एवं ऋणापत्रों का निर्गमन, अंशहरण एवं ऋणपत्रों का शोधन, लागत लेखांकन– लागत रेखांकन का अर्थ एवं उद्देश्य, लागत के तत्व, लागत लेखांकन की विधियां–इकाई लागत लेखांकन, ठेका लागत, लेखांकन, कर लेखांकन– महत्वपूर्ण शब्दों की परिभाषा– कृषि आय, करदाता गतवर्ष एवं कर निर्धारण वर्ष, निवास स्थान एवं कर दायित्व, प्रबन्धकीय लेखांकन– अर्थ, महत्व क्षेत्र, कार्य एवं उद्देश्य, वित्तीय एवं प्रबन्धकीय लेखांकन में अन्तर, व्यवसायिक पूर्वानुमान (प्रबन्ध के लिये उपयोगिता आधारभूत आकड़ों के स्रोत), विश्लेषण एवं स्रोत, पूर्वानुमान के यन्त्र, व्यावसायिक पूर्वानुमान के सिद्धान्त, प्रबन्धकीय प्रतिवेदन, अनुपात विश्लेषण, राग विच्छेद विश्लेषण।

खण्ड–ब

व्यावसायिक संगठन एवं प्रबन्ध : व्यावसायिक संगठन एवं क्षेत्र, पर्यावरण प्रदूषण एवं उद्योग–धन्धे, व्यावसायिक संगठन के स्वरूप, देशी एवं विदेशी व्यापार, प्रबन्ध–प्रबन्ध की प्रकृति एवं कार्य, प्रबन्ध की विभिन्न विचार धारायें, प्रबन्ध विचार में प्रमुख विचारकों के योगदानों का विश्लेषण –एफ0 डब्लू टेलर, हेनरी, फेओल एल्टन गेयों, पेशों के रूप में प्रबन्ध, प्रबन्धकीय कार्य–नियोजन, स्टाफिंग–अभिप्रेरणा, समन्वय एवं नियंत्रण।

खण्ड–स

उच्च आर्थिक सिद्धान्त एवं सांख्यिकीय रीतिया : उच्च आर्थिक सिद्धान्त – अर्थशास्त्र स्वरूप एवं क्षेत्र, व्यापार एवं अर्थशास्त्र का सम्बन्ध, तटस्थता वक्र विश्लेषण, उत्पत्ति के नियम, उत्पादन, प्रकार्य, जनसंख्या सिद्धान्त, प्रधान एवं पूरक लागत, औसत और सीमान्त लागत, व्यापार चक्र, राष्ट्रीय आय, सांख्यिकीय रीतियां – आवृत्ति वितरण का विश्लेषण, सह–सम्बन्ध एवं प्रतीगमन, गुणात्मक सम्बन्ध, कालमाला का विश्लेषण, निर्देशांक, व्यापारिक पुर्वानुमान, सैद्धान्तिक बारम्बारता बंटन, बारम्बारता सामान्य बंटन, द्विपद एवं प्यायसन, भारतीय सांख्यिकी, विशेष रूप से जनसंख्या के संदर्भ में कृषि समंक एवं औद्योगिक समंक, भारतीय सांख्यिकी की कमियां एवं सुधार के सुझाव।